

रही बक्शदा तू किते होए कसूर दातिया

रही बक्शदा तू किते होए कसूर दातिया,
सहनु चरना तो करी न तू दूर दातिया,

असि कपडे नु चढ़े कच्चे रंग वरगे,
असि कच दी बनाई होइ वांग वरगे,
इको झटके च हो जा गे चूर दातिया,
सहनु चरना तो करी न तू दूर दातिया,

इस तन विच जिहने कोने सास वसदे,
हर सास विच लखा ही गुनाह वसदे,
मनो दूर कर मान ते गरूर दातिया,
सहनु चरना तो करी न तू दूर दातिया,

असि पानी उते खींची हो लकीर वरगे,
किसी झाडी विच फसी होइ लीर वर्गी,
हाक सारे यह मंगल हतूर दातिया,
सहनु चरना तो करी न तू दूर दातिया,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16296/title/rahi-bakshda-tu-kite-hoye-kasur-datiye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |